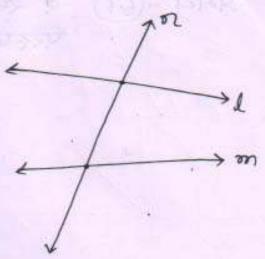
# \* Taras Za (Transversal Line):-

वह रेखा भी दो या दो से अध्यक रेखाओं को भिन्न बिन्दुओं पर प्रतिच्छेद करती है, उसे तिर्यंक रेखा कहलाती है।



## \* अभिशृहीत :-

- (1) अभिशृहीत (63) → यदि एक तिर्यक रेखा दो समान्तर् रेखाओ को प्रतिच्छिद फरे तो, संगत कीणों का प्रव्येक युग्म छराबर होता है।
- (i) अभिगृहीत (4) यदि एक तिर्यक रेखा दो रेखाओ को इस त्रकार प्रतिच्छेद करें कि संगत कोणों का एक युग्म खराबर है, तो दोनो रेखाएं परस्पर समांतर होती हैं।

#### \* प्रमेय:-

प्रमेय-62 यदि एक तिर्यक रेखा दो समांतर रेखाओं को प्रक्रिकेंद करें मो हकान्तर अन्त्रः कोंजों का युग्म बराबर होता है।

प्रमिय - 6.3) यदि एक तिर्यंक रेखा दो रेखाओं को इस प्रकार प्रतिचेदिद करें कि एकांतर अअंतः कोणों का एक गुण्म खरावर है तो दोनो रेखाई परस्पर समांतर होती हैं।

प्रमेय-(६) यदि एक तिर्धक रेखा दो समान्तर रेखाओं की प्रक्रिवेद करे, तो तिर्धक रेखा के एक ही और के अन्तः का जो का प्रत्येक युग्म सम्पुरक होता है।

प्रमेप - (6.5) यदि एक तिर्यंक रेखा ही रेखाओं को इस प्रकार प्रतिचेद्यद करें कि तिर्थक रेखा के एक ही और के अंतः कोणों का एक युग्म सम्पुरक है, तो दोनो G रेखार्ट परस्पर समां तर होती है।

प्रमेय - (6.6) वे रेखाएँ जो एक ही रेखा के समांतर हो, परस्पर् समांतर होतो ही

PERMIT DESCRIPTION

the property of the property o

THE RESERVE TO THE TOTAL STREET STREET, STREET

Employed the parameter of the part of the control of

THE RELEASE THE STREET OF THE STREET OF THE STREET

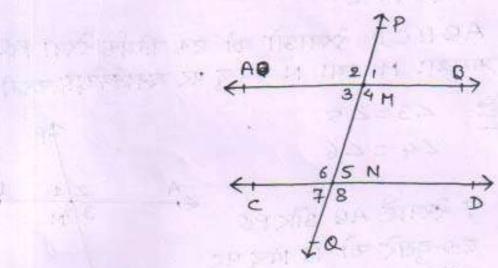
TOTAL DE STONE DE STO

THE RESERVE OF THE PARTY OF THE CONTRACT OF

"我们是我们是我们的"我们的",这个可以是一种是一种的"我们",但我们的"我们"。

ise the trans of the said with the pile for white its (3)

### भें दी समान्तर रेखाओं के साध एक तिर्यंत रेखा द्वारा बनाये गए कोण :-



1) Risid about (Corresponding Angle):-

संग्रात कोण खराबर होते हैं।

- 21=25 42=26 23=27 24=28

- (ii) 34-7: emi-72 abou (Alternate interior Angle)
  34-7: emi-72 abou ariac età El
  .: 23=25 34-7: @ emi-72 abou
  24=26
- (iii) बाह्य एकान्तर कीण (Alternate Exterior Angle)
  बाह्य एकान्तर कोण भी बराबर होते हैं

८१ = ८२ हे छाह्य हकान्तर की ज ८२ = ८८ हो आर के अंतः को ज (सह- अन्तः को ज) ८३+८6 = 180: ेक सह-अन्तः को जों का थेका 180 होता के जिल्ले मिल्लि ८५ +८५ = 180: ेक सह-अन्तः को जों का थेका 180 होता के जिल्ले प्रमेय-(6.2) यदि रूक तिर्यक रेखा दो समांतर रेखाओं को : प्रतिच्छेद करें, तो एकान्तर कीजों का प्रत्येक युग्म खराबर होता है।

विया है: - ABIICD रेखाओं को एक तिर्यंक रेखा P& क्रमहा: M तथा N बिन्दु पर प्रातिरोध द करती है।

सिद्ध करना है:- ८३=८५

प्रमाण:- ः रेखाएँ AB और PQ एक-दुलरे की M बिन्दु पर प्रातिचेबद करती है।

ओर <1= <3 — ा विविधित्रमुख रेव

८1=८८ — 🛈 संग्रात कोण

समीव 🛈 तथा 🛈 से,

23=25

the storman was a store and the same of th

इसी प्रकार् से,

24=26

the second of th

Light and the state of the stat

सिद

प्रमेय - 6.3 यदि एक तिर्यंक रेखा दी रेखाओं की इस तरह (17) काटे कि स्कान्तर अंतः कीण युग्म के कीण वरावर हों, तो दोनो रेखाएं समान्तर होती है।

विया है:- AB और CD हो रेखा है है तथा PD एक तिर्यंक रेखा है।

सिद्ध कर्ना है:- AB IICD

अमाणा:- ': AB और PD परत्पर M

बिन्दु पर प्रातिचेदांद करती है।

ं: ८३=८ (-1) अधिकित्रमूव ट 7 8 है।

स्मिन () तथा (1) से,

८१=८ ८

ं: ये संग्रत की जो के युग्म है।

ABIICD

सिंध

(18)

प्रमेप - (64) यदि एक तिर्धक रेखा दो समान्तर रेखाओं को प्रतिचेद करे, तो तिर्धक रेखा के एक ही और के अन्तःकी सम्पूरक होते हैं।

दिया है: . ABIICD तथा PQ एक तिर्यंक हरेला है सिद्ध करना है: -<4+<5=180° <3+26=180° प्रमाण: - "ABIICD और PQ हक तिर्पक न्देरवा ही ं. ८। = ८५ — 🛈 सिंग्मकीण 3/12 => 25+24=180 [ EMIO #] 7 24+25=180 func, ८१ = ८६ — 🛈 िसंगत कोण 3it ∠2+∠3 こ186 [本代9年5 型型 26+23=180 <3+<6=180

19.) प्रमेय-(6.5)- यदि एकं तिर्वक रेखा दी रेखाओं की इस प्रकार कार्ट हि तिर्यक रेखा के एक ही और के अन्तः कीणों का हक युग्म सम्प्रक हो, तो वे दोनों नेरपार समान्तर होती ही

दिया:- AB अंगेर CD हो रेखाओं को एक तिर्यंक रेखा उस प्रकार काटती है कि ८५ और ८२ तिर्धे रेखा के एंड ही ओर के अन्तः कोणों का युग्म है। ·· 4415=180

RAG ODEAT & - ABILOD ABILOD

ЯНГОТ:. : 21+24=186- ( ) ( ZRas ym c 2 ) D

MA-T, 24=25=180-(11)

समी () तथा () तें, 21+24=24+25

=) 41:45

में लंगत होंगों हा युभ है

-: ABIICD

प्रमेय-6.6 वे रेखा हैं औ रह ही रेखा के समान्तर हो, परस्पर समांतर होती हैं।

दिया है:- ABIIXY

सिद्ध करना है:- ABIICD

रचना:- LM एक रेरवा रवीचा जो स् XY, AB और CD की रूमग्रा: P, Q, तथा R बिन्दुओं स् पर कारती हैं।

 $\begin{array}{c|c}
A & 2 & B \\
\hline
C & R & D
\end{array}$ 

प्रमाण:-

ै: AB IIXY मधा LM एक तिर्थक रेखा है।

फिर्

: CDIIXY तथा LM एक तिर्धेक रेखा है।

ः ८।=८३ — 🛈 अंतः व्यानर्केण

समीव 🛈 तथा 🛈 से,

2= 23

ं ये संग्रत कु की जो के युग्न है।

37: ABIICD

<del>R</del>13

CAN DA . STE

130

381= 5+4 C

1> सिद्ध कला है: ABIICD

त्रमाणा:-

×+50 = 180 [ रेखिक युग्न

=> 2=180-50

=> x = 130' ABO (

Y=130' — (1) विशिष्टी भिमुख कीण

NE-38 = 48 - 4 - .

रमिक () तथा () तै,

x=y

ये हकान्तर अन्तः कोण ही

ABIICD

RIG

```
2> faul &- ABIICD
         CDITEF
          Y: Z = 3:7
           x = ?
    : ABIICD तथा PQ एक तिर्थंक रेखा है।
        .: ×+y=180 — ( सिक्अनाः कि
     किए,
८१ = ४ — (1) [अविजिन्मिस्ल]
कीण]
         21+Z = 180 - [सः अत्रः कोन]
     =) Y+Z=180 -
   माना के,
             y = 3K : Total the Shalls The
            Z=7K
                             CO II O'A
      समीः (11) से,
             Y+Z=180'
          =) 3K+7K=180
          3) 10K=180.
          E) K = 186 = 18'
         · : Y = 3K = 3x18'=54'
    समी (0 ले,
            x+y=180
          5) x+54 =180
          3) x= 180-54
```

> x=126' \$

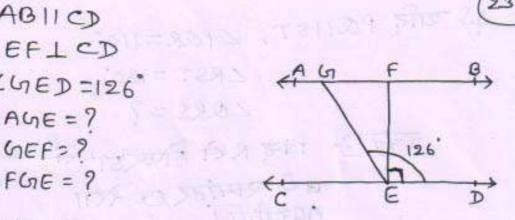
# 3) विया 8:- ABIICD

ChED=126° A 5

LAGE = 9

LUEF ?

LFGE = ?



## : ABIICD तथा जह एक तिर्थक रेखा ही

: < AUE = < (अंत: कीण स्कान्स कीण)

=> < AGE = 126 Any func; :: EFTCD

.: <FED=90'

अख,

ZGEF = ZGED - ZFED

- 126' - 90'

36 ₺

: ABIICD तथा FE एक तिर्थक रेखा है।

.: 24FE = < FED = 90 (3in: estan (3)

: AGFE A,

といFE+とFUE+といEF=180: △南村南南南

- > 90 + LFGE + 36 = 180
- =) 126+ < FGE = 180.
- -) LFGE = 180 126

-54 A

4.) 21/2 PQ11ST, ZPQR=110'

ZRST = 130' - TOTAL

Lars = ? रचनाः विन्दु १ से होकर्डा स @ के समांतर एक रेखा AB रवीचा 1

& SHATI FOR LSRB = X SHX LORA = Y

ः ST 11 AB और तिर्घेक रेखा SR ही

ः ४+130 = 180. िसह-अन्तः कीण]

=> 2 = 180-130

=> x = 50'

फिर् PQ 11 AB और QR एक तियीक करेखा है।

ं प्रेमा। = 180 सह- अन्तः कीन

=> A = 180,-110,

00 = 40°

ं: ARB एक सराम रेखा है।

3+20Rs +x =180

=) 70°+ < QRS+50°=180°

120°+ LQRS = 180°

D LORS=180-120

=> < QRS = 60' X

विकास कि देश एकी अविकास 5.) यदि ABIICD, ZAPQ=50 < PRD = 127° 2 = ? ABIICD और PO एक तिर्मेंड ही

ABIICD और PREक तिर्यंक रेखा ही

ACCUMENT OF THE PARTY OF THE PA

6) दिया है:- PQ IIRS दो दर्पण ही

सिद्ध करना हैं- ABIICD

₹-4-11:- BEIPQ AZII CFIRS व्यन्या ।

प्रमाण:- : परावर्तन के नियम से,

21=22 -1

23 = 24 - (1)

:: PQIIRS और BC एक तिर्धक रेखा है।

ं ८६ = ८५ — 🔟 ल्कान्तर् अन्तः कीण

BELPQ 721 CFIRS

22+26=90' --- (1V

=> 23=90-25 -

समी (1) व,

22+26=90

>> 2= 90-26

= 90-25 (26=25)

= 423

· . 22=23 - (vi

: <BCD = <1+<2

= <2+<2 ( समी ( ) स्रो

= 2<3 ( समीर (vi) स

= 43+43

LBCD= <3+<4 (利利) ZBCD = ZABC

लेकिन ये एकान्तर कोण है

-: ABIICD